केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450, 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आर्यावर्त मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 68 सोमवार 30 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पितरों, अमर शहीदों को सामूहिक विदाई 2 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शिव सेना जिला इकाई द्वारा आगामी 2 अक्टूबर बुधवार को सिद्धेश्वर शिव मंदिर अमहट घाट पर सामूहिक श्राद्ध, तर्पण का आयोजन कर पितरों को विदाई दी जायेगी जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय ने बताया कि वैदिक परम्परा के अनुसार देश के महान अमर शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राम जन्म भूमि आन्दोलन में प्राणोत्सर्ग करने वाले शहीद कारसेवकों और कोख में मार देने वाली बेटियों को विधि विधान से श्राद्ध, तर्पण किया जायेगा। कार्यक्रम में शिवसैनिकों के साथ ही अनेक सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे।

महुआ का पेड़ गिरने से जानवर घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती) । विकास खण्ड बनकटी के बेलराई उर्फ मुरादपुर गांव में रिहायशी छप्पर मकान पर विशाल महुआ का पेड़ गिरने से मवेशी सहित घर में रखा सामान क्षतिग्रस्त हो गया । जानकारी के अनुसार रविवार सुबह 6 बजे दीवान चन्द्र पुत्र बलिराम के रिहायसी छप्पर पर विशालकाय महुआ का पेड़ अचानक गिर गया , गनीमत रहा की परिवार के लोग घर के बाहर थे और कोई जन हानि नहीं हुआ । लेकिन छप्पर में बधे जानवर जिसमें दो गाय व एक भैंस घायल हो गए तथा घर के अंदर रखा बाइक , बॉक्स आदि सामान दबकर खराब हो गया । पेड़ गिरने से बगल में बना शौचालय भी पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया।

ट्रक से 12 लाख का कास्मेटिक सामान चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी थानाक्षेत्र में खेसुआ गांव के पास फोरलेन पर खड़े कंटेनर से 12 लाख रुपये से अधिक कीमत का एक ब्रांडेड कंपनी के सौंदर्य प्रसाधन का सामान चोरी हो गया। ट्रक पंक्चर होने के कारण चालक यहां कंटनेर को खड़ाकर केबिन में सो गया था। उसे घटना की जानकारी सुबह नींद खुलने पर हुई। थाना प्रभारी विजय कुमार दूबे ने बताया की चालक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है।

बारिश थमी, मोहल्लों में जलभराव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में शुक्रवार से जारी मूसलाधार बारिश का सिलसिला रविवार सुबह थमा रहने से लोगों को राहत मिली। भोर में हल्की बूंदा बांदी के बाद आसमान में बादल छाए रहे। बीते दो दिनों में हुई अत्याधिक बारिश के चलते शहर के लगभग सभी कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति बन गई थी। खासतौर से लो–लैंड में बसी कॉलोनियों में तो सड़क तालाब बन गई थी। बारिश की रफ्तार थमने से सड़कों पर भरा पानी सरक गया। लेकिन कीचड़ आदि से आवागमन में परेशानी बनी रही। दो दिनों से झमाझम बारिश ने लोगों की आम दिनचर्या को पूरी तरह प्रभावित कर दिया था।रविवार को स्कूल दफ्तर बंद रहने से लोगों को राहत मिली। ग्रामीण इलाकों में भी बारिश के चलते धान और गन्ने की फसल भी थोड़ी प्रभावित हुई। रविवार सुबह बारिश थामने से किसानों में भी राहत की सांस ली।

तीन संशोधन विधेयक लाने की तैयारी संविधान में करने होंगे 18 बदलाव

नई दिल्ली (आभा)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस महीने की शुरुआत में उच्च स्तरीय पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कमेटी की 'वन नेशन–वन इलेक्शन' सिफारिशों को मंजूरी दी। सरकार अब अपनी इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए संविधान में संशोधन करने की तैयारी कर रही है। सरकार वन नेशन–वन इलेक्शन को लागू करने के लिए संविधान में संशोधन करने वाले दो विधेयकों समेत तीन विधेयकों को लाने की तैयारी में है।

प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों में से एक स्थानीय निकायों के चुनावों को लोकसभा और विधानसभाओं के साथ संरेखित करने से संबंधित है। जिसके लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों की सहमति की जरूरत होगी। सूत्रों की ओर से कहा गया है कि, प्रस्तावित पहला संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने को लेकर होगा।

उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों का हवाला देते हुए सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित विधेयक में अनुच्छेद 82ए में संशोधन करने की कोशिश की जाएगी। जिसमें शनियत तिथि से संबंधित उप–खंड (1) जोड़ा जाएगा। इसमें अनुच्छेद 82ए में उप–खंड (2) जोड़ने की भी कोशिश की जाएगी। जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल के अंत से संबंधित है।

इस संविधान संशोधन में अनुच्छेद 83(2) में संशोधन करने तथा लोकसभा की अवधि और विघटन से संबंधित नए उप–खंड (3) और (4) सम्मिलित करने का भी प्रस्ताव है। इसमें विधानसभाओं के विघटन से संबंधित प्रावधान भी शामिल किए गए हैं तथा अनुच्छेद 327 में संशोधन करके 'एक साथ चुनाव' शब्द सम्मिलित करने का प्रावधान किया जा सकता है। सिफारिश में कहा गया है कि इस विधेयक को 50 प्रतिशत राज्यों के समर्थन की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रस्तावित दूसरे संविधान संशोधन विधेयक को कम से कम 50 प्रतिशत राज्य विधानसभाओं के समर्थन की आवश्यकता होगी क्योंकि यह राज्य मामलों से संबंधित है। इस विधेयक के जरिए स्थानीय निकायों के चुनावों को लेकर मतदाता सूची तैयार की जाएगी। जिसमें शनियत तिथि से संबंधित उप–खंड (1) जोड़ा जाएगा। इसमें अनुच्छेद 82ए में उप–खंड (2) जोड़ने की भी कोशिश की जाएगी। जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल के अंत से संबंधित है।

–एक देश एक चुनाव पर पीएम मोदी ने किया बैठक

इस संविधान संशोधन में अनुच्छेद 83(2) में संशोधन करने तथा लोकसभा की अवधि और विघटन से संबंधित नए उप–खंड (3) और (4) सम्मिलित करने का भी प्रस्ताव है। इसमें विधानसभाओं के विघटन से संबंधित प्रावधान भी शामिल किए गए हैं तथा अनुच्छेद 327 में संशोधन करके 'एक साथ चुनाव' शब्द सम्मिलित करने का प्रावधान किया जा सकता है। सिफारिश में कहा गया है कि इस विधेयक को 50 प्रतिशत राज्यों के समर्थन की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रस्तावित दूसरे संविधान संशोधन विधेयक को कम से कम 50 प्रतिशत राज्य विधानसभाओं के समर्थन की आवश्यकता होगी क्योंकि यह राज्य मामलों से संबंधित है। इस विधेयक के जरिए स्थानीय निकायों के चुनावों को लेकर मतदाता सूची तैयार की जाएगी। जिसमें शनियत तिथि से संबंधित उप–खंड (1) जोड़ा जाएगा। इसमें अनुच्छेद 82ए में उप–खंड (2) जोड़ने की भी कोशिश की जाएगी। जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल के अंत से संबंधित है।

संवैधानिक रूप से चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग अलग–अलग निकाय हैं। चुनाव आयोग राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं और राज्य विधान परिषदों के लिए चुनाव कराता है, जबकि एसईसी को नगर पालिकाओं और पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों के लिए चुनाव कराने का अधिकार है। प्रस्तावित दूसरा संविधान संशोधन विधेयक में एक नया अनुच्छेद 324ए जोड़कर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के साथ–साथ नगर पालिकाओं और पंचायतों के एक साथ चुनाव कराने का प्रावधान किया जाएगा।

तीसरा विधेयक एक साधारण विधेयक होगा। जो विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों जैसे– पुडुचेरी, दिल्ली और जम्मू–कश्मीर से संबंधित होगा। जो तीन कानूनों के प्रावधानों में संशोधन करेगा। ताकि इन सदनों की शर्तों को अन्य विधानसभाओं और लोकसभा के साथ संरेखित किया जा सके। जिसे पहले संविधान संशोधन विधेयक में प्रस्तावित किया गया है।

इसमें जिन कानूनों में संशोधन करने का प्रस्ताव है, वे हैं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम–1991, केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम–1963 और जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम–2019। प्रस्तावित विधेयक एक साधारण कानून होगा, जिसके लिए संविधान में बदलाव की आवश्यकता नहीं होगी और राज्यों द्वारा अनुसमर्थन की भी आवश्यकता नहीं होगी।

उच्च स्तरीय समिति ने तीन अनुच्छेदों में संशोधन करने, मौजूदा अनुच्छेदों में 12 नए उप–खंडों को शामिल करने और विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित तीन कानूनों में फेरबदल करने का प्रस्ताव दिया था। एक देश एक चुनावब के लिए संविधान में संशोधनों और नए सम्मिलनों की कुल संख्या 18 है।

मंच पर बीमार पड़े मल्लिकार्जुन खरगे

श्रीनगर (आभा)। जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए कठुआ पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मंच पर भाषण देते हुए तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उनके भाषण को बीच में रोका गया और पार्टी नेताओं ने उनका हाथ पकड़कर कुर्सी पर बैठाया।

हालांकि, कुछ देर बाद फिर से उन्होंने मंच से कहा कि मैं अभी 83 साल का हूं, जल्दी मरने वाला नहीं हूं। मैं तब तक जिंदा रहूंगा जब तक पीएम मोदी सत्ता से बेदखल नहीं हो जाते।

मुख्यमंत्री योगी ने किया बाढ के स्थितियों की समीक्षा, मुआवजा देने का निर्देश

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को यूपी में हो रही बारिश से उत्पन्न स्थिति को लेकर समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आला अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि बारिश से प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता मुहैया कराया जाए। साथ ही अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण कर राहत कार्य पर नजर रखें। वहीं मुख्यमंत्री के निर्देश पर मौजूदा प्रभावित जनपदों में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और पीएसी की कई टीम तैनात कर दी गई हैं।

सीएम योगी ने महाराजगंज, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, बलिया, फर्रुखाबाद, गोंडा, कानपुर नगर, गौतम बुद्ध नगर, हरदोई, शाहजहांपुर और सीतापुर में बारिश से उत्पन्न मौजूदा स्थिति पर को लेकर

अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बारिश के दृष्टिगत संबंधित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता मुहैया कराएं।

योगी ने कहा कि आपदा से हुई जनहानि में प्रत्येक प्रभावित परिवार को 4 लाख रुपए की अनुग्रह राहत राशि बिना किसी देर के प्रदान की जाए। जहां जल भराव की स्थिति है वहां जल निकासी के लिए प्रभावी प्रबंध किए जाने चाहिए। सीएम ने डीएम को भी निर्देश देते हुए कहा कि फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर शासन को आख्या उपलब्ध कराया जाए। जिससे प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा राशि दिया जा सके। वहीं, जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा है या पशु हानि हुई है, ऐसे प्रभावितों को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान की जाए।

ज्ञात रहे कि लगातार तीन दिनों से जारी बारिश के चलते अनेक जनपदों में नदियां उफना गई हैं।

मिनी सचिवालय सरयू की कटान में ध्वस्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कलवारी (बस्ती)। सरयू नदी का स्तर रविवार सुबह स्थिर हो गया। वह खतरे के निशान से 16 सेमी नीचे 92.570 मीटर पर है। शारदा, सरयू व घाघरा बैराज से दो लाख 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, लेकिन इस पानी से नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना नहीं है। केंद्रीय जल आयोग अयोध्या के अनुसार पहाड़ों पर बरसात नहीं होने से पानी नहीं बढ़ेगा। सोमवार से नदी के घटने की स्थिति बनेगी।

कुदरहा ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित गांव बैडारी एहतमाली के मईपुर बड़कापुरवा पर बना जर्जर मिनी सचिवालय सरयू नदी की कटान में ध्वस्त हो गया। पिछले एक हफ्ते से सरयू नदी का जलस्तर तेजी से घटने से कटान बंद थी। इससे गांव के लोग राहत में थे। लेकिन तीन

दिन से लगातार हो रही बारिश की वजह से जल स्तर बढ़ने से कटान शुरू हो गई है, जिससे ग्रामीण भयभीत हैं। कलवारी रामपुर तटबंध के दक्षिण बसे गांव बैडारी एहतमाली के माईपुर बड़कापुरवा और महुआपार कला के मदरहवा पुरवा में सरयू का जलस्तर कब होने से लोगों ने राहत की सांस ली थी। लेकिन तीन दिन से लगातार हो रही बारिश से सरयू नदी का जलस्तर 92.13 हो गया जो खतरे के निशान से 70 सेंटीमीटर कम है। लेकिन फिर भी मईपुर बड़का पुरवा पर कटान शुरू हो गया। जिससे मिनी सचिवालय का पिछली दीवार और छत सरयू नदी में विलीन हो गई। मईपुर बड़कापुरवा और महुआपार कला के मदरहवा पुरवा के दर्जनों घर से सटकर सरयू नदी बह रही है।

शक्ति सिंह हत्याकाण्डः साक्ष्य जुटाने में जुटी पुलिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शक्ति सिंह हत्याकाण्ड में मुख्यारोपी भाजपा नेता राना नागेश्वर प्रताप सिंह के घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर को नगर पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस को उम्मीद है कि इसमें रिकॉर्ड फुटेज की मदद से घटनाक्रम से जुड़े अहम सुराग हाथ लग सकेंगे। सूत्रों की मानें तो पुलिस ने हत्याकांड में नामजद एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है। हालांकि इसकी अधिकृत पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। एसपी गोपालकृष्ण चौधरी का कहना है कि हत्याकांड से संबंधित आरोपितों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। नगर थाने के रानीपुर निवासी शक्ति सिंह का अपहरण कर हत्या करने और शव छिपाने के आरोप में पूर्व विधायक राना कृष्ण किंकर सिंह के बेटे और भाजपा नेता राना नागेश प्रताप सिंह सहित चार के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। हत्या के पीछे पांच दशक पुरानी रंजिश बताई जा रही है। इसके साथ ही पुलिस अन्य एंगल पर भी अपनी जांच को आगे बढ़ा रही है। पुलिस की मानें तो वारदात के बाद से ही सभी आरोपितों का मोबाइल फोन बंद चल रहा है। इसकी वजह से उनकी लोकेशन ट्रेस कर पाना मुश्किल हो रहा है। कॉल डिटेल का भी पुलिस बारीकी से अध्ययन कर रही है, जिससे कोई क्लू हाथ लग सके। एसपी के आदेश पर नगर थाने के साथ ही एसओजी व स्वॉट टीमें भी हत्याकांड के आरोपितों की तलाश में जुटी हैं।

शक्ति सिंह की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनके सिर पर किसी भारी चीज से हमला करने की बात कही गई है। वह भी एक दो नहीं कुल 17 वार किए गए हैं। यह हथियार धारदार नहीं है। ऐसे में यह लाठी, भारी पत्थर या फिर कुछ और भारी सामान हो सकता है। घटनास्थल की छानबीन के बाद यह साफ हो चुका है, कि हत्या कर शव को यहां ठिकाने लगाया गया है। इस सबसे अहम सवाल पुलिस के लिए यह पता लगाना है कि आखिर शक्ति सिंह की हत्या कहां की गई। अपहरण करने के बाद किसी गाड़ी से उसे कहां ले जाया गया। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए कब और किस गाड़ी से आरोपी पहुंचे थे। इन सब सवालों की तलाश में पुलिस जुटी है। थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह का कहना है कि आरोपी नागेश सिंह के घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर कब्जे में ले लिया गया है। जल्द ही आरोपितों की गिरफ्तारी के साथ सभी सवालों का जवाब भी सामने आ जाएगा।

दुबौलिया के गौरा–सैफाबाद तटबंध पर सरयू नदी किनारे गुरुवार को एक युवक का शव बोरे में मिला था। उसके सिर पर गम्भीर चोट के निशान थे। देर शाम शव की पहचान नगर थाने के रानीपुर निवासी शक्ति सिंह (32) पुत्र रमेश सिंह के रूप में हुई। नगर पुलिस ने गुरुवार को ही शक्ति के गुमशुदगी का केस दर्ज किया था। शव मिलने पर शक्ति सिंह के भाई विक्रम प्रताप सिंह ने नगर पुलिस को तहरीर दी। इसमें विक्रम प्रताप सिंह ने बताया है कि गांव के राना नागेश सिंह के परिवार से दुश्मनी है। आरोप है कि राना नागेश सिंह, रवि सिंह, शैलेश सिंह और मनोज शुक्ला उनके भाई को साथ ले गए। 25 सितंबर को कुछ लोगों ने बताया कि चारों उसके भाई की पिटाई कर रहे थे। 26 सितम्बर को दुबौलिया क्षेत्र में शव बरामद हुआ था। पुलिस ने चार नामजद व अन्य अज्ञात के खिलाफ अपहरण, हत्या व शव छिपाने के आरोप में केस दर्ज किया है।

दल बदलू नेताओं से सावधान रहे कांग्रेस–महेन्द्र श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कांग्रेस आर.टी.आई. विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने प्रदेश अध्यक्ष से आग्रह किया है कि संकट के दिनों में कांग्रेस के जो नेता पार्टी की मजबूती के लिये जमीनी स्तर पर निरन्तर संकिय हैं उन्हें पर्याप्त अवसर और सम्मान दिया जाय। दल बदलुओं को पार्टी में आते ही जिस प्रकार से महिमामण्डित करने और उन्हें बड़ा पद दे देने का सिलसिला चल रहा है वह घातक है, इससे निष्ठावान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में स्वाभाविक आक्रोश है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले तीन दशक से उत्तर प्रदेश में पार्टी सत्ता से बाहर है इसके बावजूद लाखों की संख्या में कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता अलख जगाये हुये हैं और पार्टी के संदेश को जन–जन तक पहुंचा रहे हैं। जैसे–जैसे पार्टी मजबूत हो रही है गैर दलों के नेताओं को तेजी के साथ पार्टी में शामिल करने के साथ ही उन्हें महत्वपूर्ण पद भी दे दिया जा रहा है जो अच्छा संकेत नहीं है। कहा कि चंद दिन पहले तक जो गैर दलों के नेता कांग्रेस को कोस रहे थे आज वे संगठन में बड़ा पद लेकर मार्ग दर्शक बने हुये हैं। इस पर विचार करने की जरूरत है। उन्होने कहा कि बस्ती में लम्बे समय से कार्यवाहक अध्यक्ष पद का दायित्व ज्ञानेन्द्र पाण्डेय संभाले हुये हैं। प्रदेश नेतृत्व या तो श्री पाण्डेय को अध्यक्ष घोषित कर दे या नया नेतृत्व सामने लाया जाया जाय।

कांग्रेस के संविधान सम्मेलन में विवाद

प्रयागराज (आभा)। यूपी के प्रयागराज में आयोजित कांग्रेस संविधान सम्मेलन में जमकर बवाल हुआ। सम्मेलन में कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भी भिड़ गए। मंच पर बैठे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लोगों से शांत रहने की अपील करते रहे लेकिन कार्यकर्ता एक–दूसरे पर लात–घूंसे बरसाते रहे। यह माजरा काफी देर तक चला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के आपस में मारीपीट के कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर अब वायरल हो रहे हैं।

प्रयागराज जिले के सहसों स्थित लाल बाजार में रविवार को कांग्रेस के संविधान सम्मेलन का आयोजन था। इस आयोजन में प्रदेश के कई जिलों से कार्यकर्ताओं के अलावा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत कई वरिष्ठ नेता पहुंचे थे। कार्यकर्ताओं ने एक–एक करके कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का माल्यार्पण करके स्वागत शुरू किया। इस दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने पहले माल्यार्पण की बात कही। इसको लेकर पहले वाद–विवाद शुरू हो गया। फिर

आपस में कार्यकर्ताओं के दो गुट आपस में भिड़ गए और हाथापाई करने लगे। मंच पर बैठे प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत वरिष्ठ नेता कार्यकर्ताओं को समझाने में लगे लेकिन लेकिन कार्यकर्ता एक–दूसरे पर लात–घूंसे बरसाने लगे। ये माजरा काफी देर तक चला। बाद में कार्यकर्ताओं के बीच हुई मारपीट का मामला शांत हुआ। हालांकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वहीं दूसरी ओर संविधान सम्मान सम्मेलन में पहुंचे कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अविनाश पांडे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान में समानता के अधिकार के साथ सभी वर्गों को न्याय दिलाने के लिए अधिकार दिया है। प्रदेश में बेरोजगारी और महंगाई अपने चरम पर है। कानून व्यवस्था एकदम लाचार है। आए दिन एनकाउंटर किया जा रहा है। गठबंधन से जो भी उम्मीदवार आएगा। उसका हम सभी लोग सम्मान करते हुए विजई बनाने का काम करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हमारे कार्यकर्ता बूथ स्तर पर मजबूती बनाएं। जिससे फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में गठबंधन पूरी मजबूती से लड़ सके। राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी के संदेश को हम सब यहां लेकर आए हैं। राष्ट्रीय महासचिव राजेश तिवारी ने कहा कि फूलपुर उपचुनाव सहित पूरे प्रदेश में मजबूती से चुनाव लड़ते हुए संविधान के लिए आखिरी सांस तक लड़ते रहेंगे। सम्मेलन को सांसद अमेठी किशोरी लाल शर्मा, सांसद प्रयागराज उज्जवल रमण सिंह, विधायक मोना मिश्रा, शेखर बहुगुणा आदि लोगों ने भी संबोधित किया।

सम्मानित किये गये 42 रक्तदाताः सहयोग का आवाहन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भदावल वेलफेयर सोसायटी द्वारा प्रेस क्लब सभागार में सामाजिक कार्यकर्ता गौहर अली के संयोजन में 42 रक्तदाताओं को प्रमाण–पत्र, डोनर कार्ड और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि कादरी मस्जिद पुरानी बस्ती के मौलाना अमीर रजा ने कहा कि दुनियां में दूसरी की जान बचाने में सहयोग करने से बड़ा कोई धर्म नहीं है। रक्तदान वह बड़ा माध्यम है जिसके द्वारा हम दुःखी इन्सानों के चेहरों पर मुस्कान लाकर उन्हें नई जिन्दगी देने का माध्यम बनते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक के डा. विजय वर्मा ने कहा कि कुछ लोगों में यह भ्रम है कि रक्तदान से शरीर को कोई नुकसान होता है। सच तो ये है कि रक्तदान करने वाले और अधिक स्वस्थ रहते हैं। उन्होने आवाहन किया कि रक्तदान करके लोग दूसरों की जान बचाने के लिये आगे आये।

सामाजिक कार्यकर्ता गौहर अली ने कहा कि उनका सदैव प्रयास रहता है कि लोगों को रक्तदान के लिये प्रेरित किया जाय। भदावल

वेलफेयर सोसायटी द्वारा रक्तदान, पर्यावरण के साथ ही अनेक सेवा के क्षेत्र में योगदान किया जा रहा है। पर्यावरणविद पं. सुनील कुमार भटट ने उपस्थित लोगों का आवाहन किया कि वे अच्छे कार्यों में अपना योगदान दें। कार्यक्रम में जगदम्बा प्रसाद भावुक, अशोक कुमार सिंह, एहसानुल कैफ, सदानन्द मिश्र, कुलदीप जायसवाल आदि ने अपने सम्बोधन में कहा कि मनुष्य सामाजिक प्राणी है, हमें एक दूसरे के सुख–दुख में सहयोग के लिये सदैव आगे आना चाहिये। ग्राम प्रधान रोशन अली ने कहा कि गांवों में अभी भी रक्तदान को लेकर काफी भ्रम है, इसे दूर करने के लिये जागरूकता कार्यक्रम चलाने होंगे। संचालन करते हुये सैय्यद अशरफ ने कहा कि रक्तदान को महादान कहा गया है। इस सिलसिले को लगातार चलाये रखने की जरूरत है।

प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से कृति आनन्द, गुलजार अली, बाबूरतन, सईम, मो. आफताब, राम नेवाज, राकेश कुमार, प्रभाकर प्रताप सिंह, विशाल कुमार, एजाज अहमद, सुधांशु द्विवेदी, मोनू, अबशद खान, संदीप कुमार, मो0 असलम, वंशीलाल, चन्द्रभान, सुशील द्विवेदी, रामशंकर, सूर्य प्रकाश, गुलाम मुस्तफा, राजकुमार सोनी, अख्तर हुसैन, मो. करीम, शेख सबाबुद्दीन, मौलाना मोहम्मद मारूफ, रोशन अली, मो. रफीक, पीर अली, फागू लाल गुप्ता, खैरुल बशर, रफीउद्दीन, रामलौट, राहुल कुमार, मो. आमिर रजा, सुमेन्द्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 30 सितम्बर 2024 सोमवार

सम्पादकीय

निशाने पर सिद्धारमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के लिए पद पर बने रहना मुश्किल हो गया है, क्योंकि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार विरोधी कानून के तहत उनके खिलाफ मुकद्दमा चलाने का रास्ता साफ कर दिया था। सिद्धारमैया ने मैसूर भूमि घोटाले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देने वाले कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत के आदेश को चुनौती दी थी। मुख्यमंत्री ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा था कि वह इस्तीफा नहीं देंगे। राज्यपाल द्वारा उनके खिलाफ मुकद्दमा चलाने की मंजूरी के खिलाफ उच्च न्यायालय में उनकी चुनौती ने उन्हें समय दे दिया था, लेकिन अब जबकि उच्च न्यायालय ने भी उनके खिलाफ मुकद्दमा चलाने का रास्ता साफ कर दिया है, तो यह उचित ही है कि उन्हें तुरंत पद छोड़ देना चाहिए और जब तक उन्हें सम्मानपूर्वक बरी नहीं कर दिया जाता, तब तक मुख्यमंत्री के पद पर वापस आने का कोई प्रयास न करें।

उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने अपने 197 पन्नों के फैसले में स्पष्ट रूप से कहा कि उनके खिलाफ मुकद्दमा चलाने की मंजूरी देने में राज्यपाल की कार्रवाई में कोई दोष नहीं पाया जा सकता। न्यायाधीश ने इस आरोप को खारिज कर दिया कि राज्यपाल ने उनके अभियोजन को मंजूरी देने की याचिका पर विचार करते समय स्वतंत्र रूप से अपने विचार नहीं रखे। वास्तव में, कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा अभियोजन के खिलाफ चुनौती को खारिज करने के एक दिन बाद, निचली अदालत से एक और झटका लगा। इसने कर्नाटक लोकायुक्त को निर्देश दिया कि वह भूमि घोटाले के आरोपों की जांच करे और 3 महीने के भीतर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करे। हालांकि, 4 दिन बाद भी लोकायुक्त पुलिस ने अभी तक एफ.आई.आर. दर्ज नहीं की है। जाहिर है, अगर वह जल्द ही ऐसा करने में विफल रहता है, तो मामले को आगे बढ़ाने वाले नागरिक समाज कार्यकर्त्ता फिर से उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा शहर के बाहरी इलाके में एक ग्रामीण गांव में सिद्धारमैया की पत्नी के नाम पर 3.16 एकड़ जमीन के बदले में 14 प्लम भूखंडों के आवंटन से संबंधित आरोप हैं।

सिद्धारमैया का दावा है कि उक्त जमीन उनकी पत्नी को उनके भाई ने उपहार में दी थी, हालांकि कुछ ग्रामीणों ने शिकायत की है कि उन्हें धोखा देकर यह जमीन हड़पी गई है। उच्च न्यायालय के फैसले में कहा गया है कि सी.एम. के अभियोजन की मांग करने वाली याचिका में बताए गए तथ्यों की निरू संदेह जांच की आवश्यकता है। इस तथ्य के बावजूद कि इन सभी कृत्यों का लाभार्थी कोई बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि सिद्धारमैया की पत्नी है, जिन्हें 14 भूखंड आबंटित किए गए थे, को लेकर जांच की मांग की गई। अदालत ने यह दलील स्वीकार नहीं की कि मुख्यमंत्री की अपनी पत्नी को प्रमुख भूमि के आबंटन में कोई भूमिका नहीं थी। सिद्धारमैया द्वारा खुद को निर्दोष साबित करने और अदालतों द्वारा उन्हें निर्दोष करार दिए जाने तक पद छोडने से इंकार करने के बावजूद, उनके इस्तीफे की मांग और भी तेज होने वाली है।

वास्तव में, भूमि घोटाले के मामले को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले जन–हितैषी नागरिकों ने अब संकेत दिया है कि उनका अगला कदम जांच को सी.बी.आई. को सौंपने की मांग करना होगा। मुख्यमंत्री पद पर बने रहने से सिद्धारमैया एम.यू.डी.ए. (मैसूर अर्बन डिवैल्पमैंट अथॉरिटी) घोटाले को केंद्रीय जांच एजैंसी को सौंपने की मांग को और बल देंगे। हालांकि सिद्धारमैया पर मुकद्दमा चलाने की अनुमति देने के उच्च न्यायालय के आदेश के एक दिन बाद ही कर्नाटक सरकार ने बिना पूर्व अनुमति के मामलों की जांच करने की अनुमति वापस ले ली। आलोचकों ने कहा कि ऐसा इसलिए किया गया ताकि सी.बी.आई. द्वारा उनके खिलाफ मामले की जांच किए जाने की स्थिति में मुख्यमंत्री को बचाया जा सके। लेकिन कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा एम.यू.डी.ए. मामले को सी.बी.आई. को सौंपे जाने के निर्देश दिए जाने पर राज्य सरकार का आदेश आड़े नहीं आएगा। संक्षेप में, अब सिद्धारमैया के लिए एम.यू.डी.ए. मामले की जांच से बच पाना मुश्किल है। उल्लेखनीय है कि भ्रष्टाचार के एक मामले में अभियोजन की अनुमति देने के राज्यपाल के फैसले के खिलाफ राज्य उच्च न्यायालय द्वारा उनकी याचिका खारिज किए जाने के बाद भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

उस समय विपक्षी कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व करने वाले सिद्धारमैया ने येदियुरप्पा को हटाने की जोरदार मांग की थी। इसके अलावा, सिद्धारमैया की जगह लेने के लिए कोई विकल्प भी कम भरोसा जगाता है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार खुद कई घोटालों में फंसे हैं। अब वे भ्रष्टाचार के आरोपों से राहत पाने के लिए इधर–उधर भाग रहे हैं। इस बीच, 'आप' नेता अरविंद केजरीवाल, अपनी शैली के अनुसार, भ्रष्टाचार के खिलाफ एक नकली नैतिक धर्मयुद्ध छेडने का नाटक करते हुए लोगों को धोखा दे रहे हैं। आम मतदाताओं की मूर्खता पर भरोसा करते हुए, वे पीड़ित कार्ड खेल रहे हैं। सच तो यह है कि उन्हें जमानत देते समय सुप्रीम कोर्ट द्वारा सी.एम. कार्यालय में प्रवेश करने या किसी भी फाइल पर हस्ताक्षर करने के खिलाफ स्पष्ट रूप से सख्त शर्तें निर्धारित किए जाने के बाद उनका मुख्यमंत्री के रूप में बने रहना पूरी तरह से अस्थिर हो गया था। यह महत्वपूर्ण है कि उसी अदालत ने हेमंत सोरेन को जमानत देते समय ऐसी कोई शर्त नहीं रखी थी, जो अपनी रिहाई के बाद झारखंड में मुख्यमंत्री पद पर वापस आ गए।

प्रशांत किशोर की पदयात्रा के निहितार्थ

–मनोज सिंह–

जन सुराज के सूत्रधार और नायक की भूमिका में प्रशांत किशोर द्वारा धूप छांव सर्दी गर्मी और बरसात की परवाह किए बिना लगातार 24 महीनों तक बिहार के लगभग 22 ,23 जिलों के गांव और कस्बों में जगह–जगह कैंप करते हुए और पद यात्रा के माध्यम से प्रतिदिन हजारों लोग से अधिक लोगों से मिलना उनके जन समस्याओं के बारे में विचार विमर्श करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा रहा है ।

जहां एक तरफ प्रशांत किशोर जी नायक की भूमिका में दिन–रात परिश्रम कर रहे थे बिहार के लोगों की समस्याओं को जानने का , वही उनके कंधे से कंधा मिलाकर प्रतिदिन उस क्षेत्र के सैकड़ो युवा साथ चलते हुए और चौपालों में अपना दुख दर्द बया करते नजर आते हैं ।

दो वर्षों तक निरंतर चलनेवाली जन सुराज यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा है कि बिहार के सैकड़ो युवा तथा उम्रदराज प्रबुद्धजन दिन–रात जन सुराज के कैंप में रहकर पदयात्रा के दौरान अनुशासित नागरिक की भूमिका में नजर आये यही कारण है कि पदयात्रा विना सरकारी फोर्स के सुचारु रूप से चलती रही पदयात्रा के दौरान जन सुराजी युवा सड़कों की व्यवस्था सम्भालते नजर आए. भारतीय बस्ती समाचार पत्र के संपादक प्रदीप पांडेय जी से अनुमति लेकर जनसुराज पदयात्रा की रिपोर्टिंग के दौरान बिहार के अतिरिक्त अन्य प्रदेश के लोगों से भी मुलाकात हुआ जो प्रशांत किशोर की जन सुराज अभियान के विचारों और कार्यों से प्रभावित होकर निस्वार्थ भाव से कैंपों में रहकर पदयात्रा के दौरान ग्रामीण लोगों के बारे में जानने का प्रयास कर रहे थे । जन सुराज कैंप में एक तरफ समर्पित भाव से परिश्रम करते हुए बड़ी संख्या में अजीत रंजन ध मेंद्र कुमार विशाल सिंह अविनाश मिश्रा दीपू सिंह हर्ष स्वाधीन तिवारी मुकेश गिरी शिवम् चौधरी बिजेंद्र दुर्गेश सोनी सहित अनेक युवा समर्पित भाव से नजर आए वही आर के मिश्रा सर पूर्व डीजीपी. एन पी मंडल जी पूर्व आईएएस , पूर्व आईपीएस आन्नद मिश्रा जी विजय सिंह पूर्व नेवी अफसर सुरेश राय जी पूर्व एयरफोर्स अफसर तथा बड़ी संख्या में बिहार के प्रबुद्ध जनों से मुलाकात हुई समाज के यह ऐसे लोग हैं जो राजनीति से मतलब नहीं रखते थे लेकिन प्रशांत किशोर जी द्वारा जन सुराज के विचारों और प्रशांत किशोर जी की कठिन तपस्या से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में बिहार के पूर्व ईमानदार अधिकारी जन सुराज के प्रति समर्पित भाव से नजर आए बिहार के विभिन्न अंचलों में बराबर आमजन मानस के साथ बैठक करके जन सुराज अभियान के बारे में जन–जन तक संदेश पहुंचाने का तथा लोगों से वार्तालाप करके बिहार के जन–जन की समस्या को जानने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं ।

एक तरफ प्रशांत किशोर निरंतर पदयात्रा के माध्यम से गर्मी सर्दी और बरसात की परवाह किए बिना जन जन तक पहुंचने और बिहार के जनमानस की समस्या को जानने के लिए दिन–रात एक किए हुए हैं दूसरी तरफ पत्रकारों का एक वह बड़ा वर्ग है जो पदयात्रा को नजदीक से देखा है और उसकी कठिनाइयों को महसूस किया है उन लोगों की समीक्षा सकारात्मक भाव से है लेकिन कुछ ऐसे दूर बैठे पत्रकार जिन्होंने जन सुराज की पदयात्रा को नजदीक से नहीं देखा है केवल राजनीतिक कहानियों को सुनकर नकारात्मक टिप्पणी करते नजर आ रहे है तथा कुछ अति महत्वाकांक्षी लोग जो क्षणिक लाभ तथा पद की लोलुपता के के चलते एक–दो महीने की पदयात्रा में रहे और स्वार्थ पूरा ना होने पर आलोचना करते हुए उन चैनलों के लिए मसाला बने हुए हैं जो नकारात्मक खबर की तलाश में सत्ता पक्ष को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। लेकिन बिहार के आम जनमानस में प्रशांत किशोर के प्रयासों और जन सुराज के अभियान को लेकर गांव और प्रखंडों में चर्चाएं जोरों पर है

2 अक्टूबर को पटना के वेटरनरी कॉलेज में आयोजित जन सुराज पार्टी की स्थापना को लेकर बिहार के राजनीतिक दलों में हलचल नजर आ रहा है । जब से वेटरनरी कॉलेज में ऐसे मंच की चर्चा जोरों से है जिस पर बिहार प्रदेश के विभिन्न जिलों के पदाधिकारी एक साथ 5000 से अधिक की संख्या में मंच पर नजर आएंगे उस समय जनसुराज से जुड़े लोग निश्चित ही अति उत्साहित नजर आयेंगे ।

नेताओं को देवता बनाने की प्रथा

–राजकुमार सिंह–

ऐसा लगता है कि फिल्मी कलाकार ही राजनीति में नहीं आ रहे, हमारे राजनेताओं पर भी फिल्मी नाटकीयता का असर चढ़ता जा रहा है। एक दशक में ही 2 राज्यों की सत्ता और राष्ट्रीय दल का दर्जा हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी (आप) के सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल की राजनीतिक शैली हमेशा चौंकाने वाली रही है। वह कब कौन–सा राजनीतिक दाव चलेंगे, यह शायद उनके करीबी भी नहीं जान पाते। कथित शराब नीति घोटाले में गिरफ्तारी के बाद से ही भाजपा दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से केजरीवाल का इस्तीफा मांगते–मांगते थक गई, लेकिन वह जेल से ही सरकार चलाने की जिद करके उसे चिढ़ाते रहे।

यह सच है कि मुख्यमंत्री पद वापस ले लिए जाने पर चंपई सोरेन बगावत कर भाजपाई हो गए, लेकिन इससे हेमंत सोरेन की नैतिक बढ़त कम नहीं हो जाती। उन्होंने गिरफ्तारी के चलते इस्तीफा देने की नैतिकता दिखाई और तभी पद वापस संभाला, जब हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। जमानत देते समय हाई कोर्ट ने जो टिप्पणियां कीं, वे हेमंत को गिरफ्तार करने वाली ई.डी. की साख पर ही सवालिया निशान लगाती हैं। बेशक नए मुख्यमंत्री का चयन 'आप' नेतृत्व और विधायक दल का विशेषाधिकार है। आतिशी की छवि को देखते हुए उनके चयन पर सवाल भी नहीं उठाया जा सकता, लेकिन बगल में केजरीवाल की कुर्सी रख दूसरी कुर्सी पर बैठकर शासन चलाने का फैसला कई असहज सवाल खड़े करता है। भारत के संविधान में 'अप्रत्यक्ष शासन' या 'खड़ाऊं राज' का कोई प्रावधान नहीं है। जब जमानत पर बाहर आने के 2 दिन बाद केजरीवाल ने ऐलान किया था कि वह 2 दिन बाद इस्तीफा दे देंगे, तभी एक मंत्री ने संकेत दिया था कि नया मुख्यमंत्री जो भी होगा वह केजरीवाल के नाम पर 'खड़ाऊं राज' ही चलाएगा। खुद आतिशी ने विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद कहा था कि वह विश्वास जताने के लिए आभारी हैं, पर दिल्ली का एक ही मुख्यमंत्री है और वह हैं अरविंद केजरीवाल।

यह सब कहना–सुनना राजनीतिक दाव–पेंच और चुनावी माहौल के लिए तो ठीक है, लेकिन 23 सितंबर को पदभार संभालते हुए आतिशी जिस तरह बगल में केजरीवाल की कुर्सी खाली रखते हुए दूसरी कुर्सी पर बैठीं और साफ–साफ कहा भी कि वह उसी तरह 'खड़ाऊं राज' चलाएंगी, जैसे 14 साल के लिए वनवास पर गए राम की जगह उनके छोटे भाई भरत ने चलाया था। नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण के बाद आतिशी ने जिस तरह राजनिवास में केजरीवाल के पैर छुए, उसे तेजी से लुप्त हो रहे संस्कार और शिष्टाचार का उदाहरण माना जा सकता है, लेकिन केजरीवाल को 'राम' बताते हुए स्वयं 'भरत' बनकर जिस 'खड़ाऊं राज' की बात आतिशी कह रही हैं, वह ऐसी नाटकीयता है, जो न सिर्फ आपत्तिजनक है, बल्कि विपक्ष को चुनावी मुद्दा भी उपलब्ध कराएगी। संविधान सम्मत शासन की शपथ लेने के बाद अपनी जिम्मेदारी और जवाबदेही से मुंह मोड़कर किसी और के नाम पर 'खडाऊं राज' चलाना असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है। बेशक विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में ऐसा करने वाली आतिशी पहली राजनेता नहीं हैं। उनसे पहले जयललिता की स्वामीभक्ति में पन्नीरसेल्वम ऐसा कर चुके हैं।

अपने दौर की चर्चित फिल्म अभिनेत्री भी रहीं, तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता जब जेल गईं तो उनकी जगह मुख्यमंत्री बने पन्नीरसेल्वम भी उनका सिंहासन खाली छोड़ बगल में कुर्सी रखकर शासन चलाया करते थे। यह जानना भी दिलचस्प होगा कि जेल से जयललिता का फोन आने पर पन्नीरसेल्वम समेत पूरा मंत्रिमंडल खड़े होकर बात किया करता था। जयललिता की अजेय नजर आने वाली अन्नाद्रमुक का अंततरू क्या हश्र हुआ सबके सामने है। बेशक लोक–लुभावन चुनावी वायदों के जरिए ही सही, 'आप' ने एक नई राजनीति की शुरुआत देश में की है। अरविंद केजरीवाल देश के लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं।

कथित शराब नीति घोटाले में गिरफ्तारी और इस्तीफा देने में विलंब से उनकी साख पर सवाल उठे हैं, पर दिल्ली विधानसभा के आगामी चुनावों में 'आप' की जीत में संदेह का कोई ठोस आधार नजर नहीं आता। वह संविधान और लोकतंत्र की भावनाओं को बखूबी समझ सकती हैं। संभव है, आतिशी के इस आचरण से अरविंद केजरीवाल प्रसन्न हों। उनके अनुयायी भी खुश हो सकते हैं, पर विवेकशील मतदाताओं को संविधान और लोकतंत्र का ऐसा मखौल पसंद नहीं आएगा। राजनेताओं को 'देवता' और 'भगवान' बनाने की चादुकार प्रथा बेहद खतरनाक है। हाल ही में दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं शराब घोटाले के एक और आरोपी मनीष सिसोदिया ने भी बयान दिया कि राम–लक्ष्मण की जोड़ी को तोडने की कोशिश की गई। जाहिर है, वह केजरीवाल को 'राम' और खुद को 'लक्ष्मण' बता रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। मोहन भागवत ने झारखंड के बिश्नुपुर में हुए एक कार्यक्रम में कहा कि, 'कुछ लोग सुपरमैन बनना चाहते हैं, देवता...भगवान बनना चाहते हैं।' मोहन भागवत के बयान को प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना माना जा रहा है।

भागवत ने कहा कि, "क्या प्रगति का कभी कोई अंत होता है... जब हम अपने लक्ष्य तक पहुंचते हैं, तो हम देखते हैं कि अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है... एक आदमी सुपरमैन बनना चाहता है, फिर एक देव और फिर भगवान...लेकिन भगवान कहता है कि वह तो विश्वरूप है। कोई नहीं जानता कि इससे आगे भी कुछ है कि नहीं है। आंतरिक और बाह्य दोनों ही प्रकार के विकासों का कोई अंत नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है। बहुत कुछ किया जा चुका है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ बाकी है।"मोहन भागवत के बयान को सीधे तौर पर पीएम मोदी पर परोक्ष हमला माना जा रहा है। भागवत के बयान के ऐसे मायने इसलिए भी निकाले जा रहे हैं क्योंकि बीजेपी में इस समय कई स्तर पर अंतर्कलह की खबरें आ रही हैं, जिनमें राजनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश प्रमुख है। भागवत के बयान पर कांग्रेस कम्यूनिकेशन विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने भी कटाक्ष किया है। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि, "मुझे यकीन है कि स्वयंभू नॉन–बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को इस ताजा अग्नि मिसाइल की खबर मिल गई होगी, जिसे नागपुर ने झारखंड से लोक कल्याण मार्ग को निशाना बनाकर दागा है।"

वैश्विक मंच पर भारत

–हरि जयसिंह–

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में संयुक्त राज्य अमरीका की यात्रा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और कूटनीतिक रूप से घटनापूर्ण रही, जिसका भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर बहुत प्रभाव पड़ा। इस यात्रा ने भारत–अमरीका रणनीतिक साझेदारी में प्रगति को दर्शाया, जिसमें सैमीकंडक्टर उत्पादन और ड्रीडेटर ड्रोन के अधिग्रहण में सहयोगात्मक प्रयास शामिल हैं। फिर भी, पन्नु मामले और भारत की आलोचना करने वाले सिख कार्यकर्त्ताओं के साथ बैठकों से संबंधित कूटनीतिक मुद्दों ने चल रहे तनाव को उजागर किया।

3 दिवसीय यात्रा में 3 प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बैठकों पर ध्यान केंद्रित किया गया ,जिसमें क्वाड शिखर सम्मेलन और राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ महत्वपूर्ण वार्ता, न्यूर्योक में व्यापारिक नेताओं और भारतीय समुदाय के साथ बैठकें, और संयुक्त राष्ट्र और अन्य द्विपक्षीय बैठकों में रणनीतिक चर्चाएं शामिल हैं। न्यूर्योक में भविष्य के संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में, मोदी ने आतंकवाद जैसे चल रहे मुद्दों के साथ–साथ 'साइबर, समुद्री और अंतरिक्ष' के नए संघर्ष क्षेत्रों के रूप में उभरने पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए वैश्विक डिजिटल शासन की वकालत की और बेहतर भविष्य के लिए बहुपक्षीय समाधानों के प्रति प्रतिबद्धता पर बल देते हुए वैश्विक स्तर पर अपने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को साझा करने के लिए भारत की तत्परता को दोहराया।

मोदी ने मानवता की सफलता के लिए संघर्ष पर सामूहिक शक्ति के महत्व पर जोर दिया और दुनिया भर में शांति और विकास को बनाए रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में आवश्यक सुधारों का आह्वान किया। हालांकि, लेबनान में हाल ही में पेजर की घटना वैश्विक सुरक्षा की जटिलताओं को उजागर करती है। यह प्रमुख सुरक्षा उल्लंघन क्षेत्रीय संघर्षों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण चुनौतियों और आधुनिक युद्ध में प्रौद्योगिकी की भूमिका को दर्शाता है। जैसे–जैसे हम इन चुनौतियों से निपटते हैं, वैश्विक व्यवस्था में सही सुधारों की शुरूआत करना और भी अधिक जरूरी हो जाता है, जो समान विचारधारा वाले देशों के बीच महज चर्चा से आगे बढ़कर ठोस, बहुपक्षीय कार्रवाइयों तक पहुंच जाता है। पेजर घटना आतंकवाद से लेकर तकनीकी युद्ध तक हमारे सामने मौजूद गंभीर खतरों का उदाहरण है, जिसके लिए शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक ठोस, समन्वित वैश्विक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि हम वैश्विक व्यवस्था में सही सुधार कैसे शुरू करें? यह आसान काम नहीं है क्योंकि आतंकवाद अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बना हुआ है, जबकि हम समुद्री और अंतरिक्ष क्षेत्रों जैसे नए उभरते क्षेत्रों को देखते हैं। हमें समान विचारधारा वाले देशों के बीच गंभीर बातचीत से कहीं ज्यादा की जरूरत है।

मानवता की सफलता हमारी सामूहिक शक्ति को पर्याप्त रूप से संगठित करने में निहित है। क्या यह संभव है? दुनिया के समझदार देशों को इस कठोर तथ्य को ध्यान में रखना चाहिए। हालांकि, यह अफसोस की बात है कि आतंकवाद विरोधी अभियानों में लगे सुरक्षा बल समन्वित तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। समन्वित सोच और कार्ययोजनाओं से जितनी समस्याओं को हल किया जा सकता है, उससे कहीं ज्यादा समस्याएं पैदा की हैं। यहां तक कि खुफिया एजेंसियों को भी अपना काम पेशेवर तरीके से करने की जरूरत है, और समन्वित प्रयासों ने अभी तक परिणाम नहीं दिखाए हैं। आतंकवाद की कोई सीमा नहीं होती। न ही इसका कोई वास्तविक धार्मिक आधार है। इसे मानवता के खिलाफ अपराध के रूप में देखा जाना चाहिए और इससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। कभी भी देर नहीं होती।

प्रधानमंत्री मोदी की संयुक्त राज्य अमरीका यात्रा एक रणनीतिक कूटनीतिक मिशन थी, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना, वैश्विक मंचों पर अपनी छाप छोडना और भारत को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और प्रौद्योगिकी में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करना था। जैसे–जैसे वैश्विक परिदृश्य बदल रहा है, भारत एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है, जो दुनिया भर के रूझानों को प्रभावित करने की क्षमता से लैस है। वर्तमान में सतर्क भारत अपने प्रभाव को स्थापित करने के लिए सही समय की प्रतीक्षा कर रहा है। गंभीर वैश्विक चुनौतियों के कारण जल्दी से कार्रवाई करने की आवश्यकता स्पष्ट रूप से है। यह इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर नेतृत्व के लिए अभी–या–कभी नहीं परिदृश्य प्रस्तुत करता है।

मां के साथ सो रही दुधमुंही बच्ची को बिस्तर से उठा ले गया जंगली जानवर

संवाददाता—गोण्डा। परसपुर थाना क्षेत्र के अभईपुर मेहरबानपुरवा गांव में 8 माह की बच्ची को सोते समय शनिवार की रात्रि साढ़े 11 बजे कोई जंगली जानवर उठा ले गया। उसकी मां ने बिस्तर से बच्ची को गायब देखा तो परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया। परिजनों ने जंगली जानवर के बच्ची को उठा ले जाने की आशंका जताकर पुलिस को सूचना दी। गांव के सीताराम गौतम ने बताया कि उनकी पोती शगुन (8 माह) शनिवार की रात्रि घर के पिछले हिस्से में बने कमरे में अपनी मां जगमती के साथ सो रही थी। जगमती मुंबई में रह रहे अपने पति माताफेर उर्फ सुनील से रात्रि लगभग 11 बजे तक फोन पर बात करके लेट गयी। रात्रि में लगभग साढ़े 11 बजे फिर जागकर देखा तो बच्ची को बिस्तर पर न पाकर वह घर के बाहर सो रही अपनी सास को बताया। बच्ची को न पाकर परिजनों ने गांव वालों के साथ अगल—बगल के खेतों में काफी खोजबीन की लेकिन बच्ची का कहीं पता नहीं चल सका। सीताराम ने बताया कि बेटे माताफेर के तीन साल का लकी नामक बेटा भी है। परिजनों ने बताया कि एक घर के बाहर से छत पर जाने के लिए सीढ़ी बनी है। अक्सर गांव के कुत्ते इसी रास्ते से घर में आ जाया करते हैं। कुत्तों को भगाने से उसी रास्ते से भाग भी जाया करते हैं। आशंका जता रहे हैं कि जंगली जानवर इसी रास्ते आ सकता है। सीताराम ने रात्रि करीब 12 बजे डायल 112 को सूचना दी। पुलिस ने रात में काफी खोजबीन की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। रविवार की सुबह पुलिस क्षेत्राधिकारी डॉ. उमेश्वर प्रभात सिंह, प्रशिक्षु सीओ उदित नारायण पालीवाल, नायब तहसीलदार जयशंकर सिंह व डॉग स्क्वॉयड टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के मक्का व गन्ने धान आदि की फसल लगी खेतों में खोजी कुत्ते के साथ छानबीन किया। पुलिस ने छानबीन के बाद वन विभाग के अधिकारियों को जानकारी दी। उप प्रभागीय वनाधिकारी सुदर्शन, क्षेत्रीय वनाधिकारी बद्री प्रसाद चौहान, वन दारोगा परसपुर डीएन पांडेय अपने सहयोगी स्टाफ रामसजीवन दुबे व राकेश के साथ मौके पर जांच पड़ताल की।

नवनिर्मित मकान से तस्करी का सामान बरामद, कारोबारी फरार

संवाददाता—महराजगंज। नायब तहसीलदार नौतनवा सौरभ कुमार श्रीवास्तव, खनुआ चौकी प्रभारी अभय कुमार उपाध्याय व एसएसबी खनुआ की संयुक्त टीम ने खनुआ गांव के पश्चिम बाग के पास एक नवनिर्मित मकान से तस्करी के सामान बरामद किया है। मुखबिर की सूचना पर हुई छापेमारी में तस्करी की चीनी, चायपत्ती, सोयाबीन, काजू, चिप्स को लावारिस हालत में बरामद किया गया। खनुआ चौकी प्रभारी अभय कुमार उपाध्याय ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर नायब तहसीलदार नौतनवा सौरभ कुमार श्रीवास्तव, खनुआ चौकी की पुलिस टीम हेड कांस्टेबल सत्यनारायण, कांस्टेबल अवनीश यादव,अमरेश राय और एसएसबी बीओपी खनुआ के एघ्एसघ्आई जीडी विजय कुमार,जीडी गुम्मडी सिट्टी बाबू, बलराम यादव की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। छापेमारी में इस नव निर्मित मकान से लावारिस हालत में 55 बोरी चीनी, चायपत्ती 14 बैग, सोयाबीन 10 बोरी, काजू 5 गत्ता, चिप्स 14 बोरी, चिप्स 14 गत्ता बरामद हुआ। बरामद तस्करी के सामान को अग्रिम कार्रवाई के लिए नौतनवा कस्टम को सौंप दिया गया।

मछली पकड़ने गए शख्स की तालाब में डूबने से मौत

संवाददाता—महराजगंज। कोठीभार क्षेत्र के चौनपुर गांव के पश्चिम स्थित तालाब में एक शख्स की डूबने से मौत हो गई है। वह रविवार की सुबह मछली पकड़ने तालाब की ओर गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से तीन घंटे की मशक्कत में शव को बाहर निकलवाया। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार किया तो पुलिस ने पंचनामा बनवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। ग्राम सभा चौनपुर निवासी शफीद का पुत्र नसरुल्लाह रविवार की सुबह अपने घर से मछली पकड़ने की बात कह कर गांव के पश्चिम तरफ स्थित तालाब की तरफ गया। काफी देर बीतने के बाद परिजनों ने यह बात उसके भाइयों सौवाल व मंजूर को बताई। तब वह उसकी तलाश में तालाब की ओर पहुंचे। यह खबर

सुनते ही गांव के युवा समाजसेवी विपिन तिवारी अपने सहयोगियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और नसरुल्लाह की तलाश में जुट गए। काफी खोजबीन के बाद केवल नसरुल्लाह का कपड़ा ही मिला, लेकिन वह कहीं नजर नहीं आया। इसके बाद परिजनों ने घटना की जानकारी कोठीभार थाने को दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस टीम ने ग्रामीणों की सहायता से तालाब में डूबे नसरुल्लाह की तलाश शुरू कराई। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नसरुल्लाह का शव बरामद किया गया। शव मिलने के बाद परिजन पोस्टमार्टम कराने को लेकर राजी नहीं हुए। हालांकि घटना की सूचना पर हल्का लेखपाल व कानूनगो भी मौके पर पहुंच परिजनों को किसान बीमा योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से पोस्टमार्टम कराने की सलाह दी। लेकिन उनके समझाने के बावजूद परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार नहीं हुए। नसरुल्लाह की पत्नी नाजीबुन निशा, बेटी जुबैदा व बेटा हजरत हैं। वह दुबई में किसी कंपनी में काम करता था और इस समय घर आया था।

शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए परिजनों को काफी समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन वे पोस्टमार्टम के लिए राजी नहीं हुए। इसलिए पंचनामा भरकर शव उन्हें सौंप दिया गया है।

पत्नी को मायके छोड़कर लौट रहे युवक की हादसे मे मौत

संवाददाता—महराजगंज। पनियरा क्षेत्र के मुजुरी बैदा नहर पर रविवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। अपनी पत्नी को मायके छोड़कर आ रहे युवक को एक पिकअप ने ठोकर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृत युवक की पहचान क्षेत्र के सूचितपुर बघौना के पूर्व ग्राम प्रधान लालमन निषाद का बड़ा पुत्र राजेश (35) के रूप में हुई है। सूचितपुर बघौना के पूर्व प्रधान का बेटा राजेश रविवार की सुबह अपनी पत्नी को बाइक से लेकर उसके मायके पनियरा क्षेत्र के ही ग्राम रतनपुरा के लौकियाबान टोले पर छोड़ने गया था। पत्नी को मायके छोड़कर वह अकेले वापस लौट रहा था। मुजुरी बैदा नहर पर एक पिकअप ने उसे जोरदार ठोकर मार दी। पिकअप की ठोकर से वह बाइक लेकर पेड़ से टकरा गया और अचेत होकर गिर गया। आनन—फानन में उसे पनियरा पीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत युवक की मां का एक साल पहले निधन हो गया था। उसकी दो बेटियां कविता (12), पलक (6) व एक बेटा दीपक (9) है। हादसे की खबर पाकर पहुंचे उसके पिता, भाई, पत्नी व बच्चों का रो—रोकर बुरा हाल हो गया था। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ट्रक ने रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारी के बेटे को कुचला, मौत

संवाददाता—गोण्डा। शहर में गोण्डा—बहराइच हाईवे पर गल्ला मंडी के सामने रविवार दोपहर एक ट्रक ने सेवानिवृत्त रेल कर्मचारी के तीस वर्षीय बेटे को रौंद डाला। घटनास्थल पर ही युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद मौका—ए—वारदात पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ट्रक को पकड़कर कोतवाली ले आई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि नगर कोतवाली क्षेत्र के शिव नगर इमलिया गुरुदयाल निवासी 30 वर्षीय अखिलेश श्रीवास्तव उर्फ श्याम पुत्र शिव शंकर लाल श्रीवास्तव रविवार दोपहर गल्ला मंडी के सामने सड़क पार कर रहा था। इसी बीच बडगांव पुलिस चौकी की ओर से आ रही ट्रक ने उसे रौंद डाला। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक युवक के पिता रेलवे में चालक थे और अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं । बताया जाता है कि युवक जीविकोपार्जन के लिए ई — रिक्शा चलाता था। हादसे में युवक की मौत के बाद आसपास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने बताया कि गल्ला मंडी होने के कारण सैकड़ो ट्रक प्रतिदिन मंडी में लाए जाते हैं।

मंदिर के अस्तित्व बचाने के लिए मांझी समाज धरने पर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है श्री राम जानकी पंचायती मांझी मझावर प्राचीन मंदिर। ऋण मोचन घाट परिक्रमा मार्ग पर स्थित सैकड़ो वर्ष पुराना श्री राम जानकी पंचायती मांझी मझवार मंदिर के अस्तित्व को बचाने के लिए सैकड़ो की संख्या में मांझी परिवार के लोग मंदिर परिसर में धरने पर बैठे हैं की मंदिर के अस्तित्व को बचाया जा सके और समाज के प्राचीन मंदिर की अस्मिता को बरकरार रखा जा सके क्योंकि पूरा का पूरा मंदिर परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण में समाहित हो रहा है। समाज के लोगों का कहना है कि हमारे मंदिर के सामने कंचन भवन मंदिर जिसको बचाने के लिए हमारे पूरे पूरे मंदिर को जबकि हमारे समाज का मंदिर कंचन भवन से पुराना है फिर भी हम लोग विकास में बांधा नहीं बनना चाहते सरकार और प्रशासन हमारा निवेदन है 6000 वर्ग फुट में हमारा मंदिर है उतनी जमीन हमें दे दिया जाए और मंदिर निर्माण के लिए मंदिर का जो मुआवजा बांटा वह दे दिया जाए जिससे हम लोग एक भव्य मंदिर का निर्माण कर सकें। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे पूर्व पार्षद वीरचंद्र मांझी ने बताया कि हमारे समाज का यह एक मात्र पंचायती मंदिर है जिसमें हम लोग पूजा पाठ के साथ—साथ शादी विवाह करते हैं इसलिए जिला प्रशासन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्थानीय राजनेताओं से यही आग्रह करते हैं कि हमारे समाज के मंदिर के अस्तित्व के लिए हमें जमीन दी जाए मुआवजा दिया जाए जिससे हम मंदिर निर्माण कर सकें। प्रदर्शन में प्रमुख मुकेश कुमार चौधरी, अनिरुद्ध प्रसाद चौधरी, जग लाल चौधरी, राहुल मांझी, रामजस, इंद्रेशकुमार, नंदलाल मांझी, राजकुमार सहित सैकड़ो की संख्या में माताएं बहने एवं अन्य लोग सम्मिलित हुए और सबका मानना है कि जब तक समाधान नहीं निकलता तब तक यह धरना जारी रहेगा।

राम मंदिर फैसले के बाद अयोध्या में बढ़ गए मंदिरों के विवाद

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि फैसले के बाद अयोध्या में प्रॉपर्टी का रेट कई गुना बढ़ जाने के कारण मंदिरों और उसकी संपत्ति को लेकर आए दिन विवाद होता आ रहा है विवाद पहले भी होता था लेकिन इसकी संख्या 2019 के बाद काफी बढ़ गया है और दर्जनों मंदिरों की संपत्तियों को कब्जा कर लिया गया है। वर्तमान मामला सुग्रीव किला रामकोट में स्थित साहू राम जानकी पंचायती मंदिर का है। 28 सितंबर शनिवार को साहू पंचायती मंदिर के समिति की बैठक मंदिर परिसर में हई जिसमें मंदिर की संपत्ति को संरक्षित करने की बात कही गई। प्रेस से मुखातिब होते हुए इंद्रेश्वर दास ने बताया कि गणेश दास चेला राम दास नाम का एक व्यक्ति फर्जी महज्जर नामा बना करके मंदिर की संपत्ति बेचना जाता है जबकि मंदिर का एक समिति बनाया गया है और समिति ने किसी को महंत भी नहीं बनाया है। मंदिर परिसर पर ट्रस्टी गानों का कब्जा है, गणेश दास नाम का व्यक्ति मंदिर कब्जा कर के मंदिर की संपत्ति को बेचने की नियति से धरना प्रदर्शन भी कर रहा है। उन्होंने बताया कि मंदिर के विवाद का मामला न्यायालय में चल रहा है और मंदिर किसी व्यक्ति का नहीं बल्कि समिति का है और समिति ने हमें पूजा पाठ करने के लिए मंदिर में रखा है मैं समिति के साथ मंदिर की व्यवस्था का कार्य कर रहा हूं जिससे ठाकुर जी को भोग राग लगता रहे और मंदिर की व्यवस्था सुधर रूप से चलती रहे। बैठक में उमाशंकर साहू,मथुरा प्रसाद साहू , जग प्रसाद साहू कन्हैया लाल साहू सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

पुल के नीचे गिरा साइकिल सवार पानी में बहा

संवाददाता—महराजगंज। बृजमनगंज क्षेत्र के उकटनवा पुल से रविवार दोपहर बाद एक शख्स साइकिल से नीचे ताल के पानी में गिर गया। अधिक बहाव होने के कारण वह पानी के साथ बह गया। उसकी तलाश चल रही है, लेकिन उसका पता नहीं चल पा रहा है। रविवार दोपहर बाद ग्राम सभा सौरहा के टोला दौलतपुर के पास स्थित उकटनवा पुल से साइकिल सवार शख्स टकराकर पानी में गिर गया। वह पानी में बह गया। रास्ते से गुजर रहे लोगों ने उसे पानी में गिरते हुए देखा तो इसकी सूचना परिजनों व पुलिस को दी। मौके पर पहुंची 112 नंबर की पुलिस ने उसकी काफी खोजबीन की, बावजूद उक्त व्यक्ति का पता नहीं चल पाया। उसकी पहचान राम अवध पुत्र शोहरत (45) निवासी ग्राम सभा सौरहा टोला दौलतपुर के रूप में हुई है। खबर सुनकर घटना स्थल पर काफी भीड़ जमा हो गई। काफी देर तक उसकी तलाश होती रही। एसओ सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी होते ही पुलिस टीम मौके पर भेजी गई। ताल में गिरे युवक की तलाश कराई जा रही है।

कार्यालय नगर पंचायत, मुण्डेरवा, जनपद-बस्ती।

निविदा दर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत मुण्डेरवा, बस्ती में नगर पंचायत निधि/राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत निकाय क्षेत्र के सभी मन्दिर मस्जिद, सार्वजनिक स्थानों अवगन्तुओं के बैठने के लिये बेन्च स्थापित किये जाने हेतु निविदा दर दिनांक 13—10—24 अपरान्ह 3.00 तक आमन्त्रित की जाती है। प्राप्त निविदाये उसी दिन अधोहस्ताक्षरी के समक्ष निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के उपस्थिति में सांय 4.00 बजे खोली जायेगी। इससे सम्बन्धित निविदा प्रपत्र नगर पंचायत कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा करते हुये दिनाक 11—10—24 को साथ 05 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। निविदा के साथ मु० 10000.00 का राष्ट्रीयकृत बैंक का एफ०डी०आर० जो अधिशाषी अधिकारी, नगर पंचायत मुण्डेरवा, बस्ती के पक्ष में बन्धक होगा, निविदा प्रपत्र के साथ जमा करना अनिवार्य होगा। आपूर्तिकर्ता को आपूर्तित सामग्री को नगर पंचायत मुण्डेरया, बस्ती तक पहुंचाना होगा। इसके लिये कोई कैरियर चार्ज देय नहीं होगा। नगर पंचायत द्वारा निर्धारित नियम व शर्तो की विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर प्राप्त किया जा सकता है। बिना कारण बताये निविदा को निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

अधिशाषी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पंचायत मुण्डेरवा बस्ती।	नगर पंचायत मुण्डेरवा बस्ती।

कार्यालय नगर पंचायत, मुण्डेरवा, जनपद-बस्ती।

पत्रांक 441(2) / न०पं०मु०ब०/स्टोर/2024—25 दिनांक 28—09—2024

कार्यालय नगर पंचायत, मुण्डेरवा, जनपद-बस्ती।

निविदा दर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत मुण्डेरवा बस्ती में नगर पंचायत निधि/राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत ट्री—गार्ड आपूर्ति लिये जाने हेतु निविदा दर दिनांक 13—10—24 अपरान्ह 3.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है. प्राप्त निविदाये उसी दिन अधोहस्ताक्षरी के समक्ष निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के उपस्थिति में सांय 4.00 बजे खोली जायेगी। इससे सम्बन्धित निविदा प्रपत्र नगर पंचायत कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा करते हुये दिनांक 11—10—24 को सांय 05 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। निविदा के साथ मु० 1000.00 का राष्ट्रीयकृत बैंक का एफ०डी०आर० जो अधिशाषी अधिकारी, नगर पंचायत मुण्डेरवा, बस्ती के पक्ष में बन्धक होगा, निविदा प्रपत्र के साथ जमा करना अनिवार्य होगा। आपूर्तिकर्ता को आपूर्तित सामग्री को नगर पंचायत मुण्डेरवा, बस्ती तक पहुंचाना होगा। इसके लिये कोई कैरियर चार्ज देय नहीं होगा। नगर पंचायत द्वारा निर्धारित नियम व शर्तो की विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर प्राप्त किया जा सकता है। बिना कारण बताये निविदा को निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा ।

अधिशाषी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पंचायत मुण्डेरवा बस्ती।	नगर पंचायत मुण्डेरवा बस्ती।

कार्यालय नगर पंचायत, मुण्डेरवा, जनपद-बस्ती।

पत्रांक 440(2) / न०पं०मु०ब०/स्टोर/2024—25 दिनांक 28—09—2024

निजी स्कूल के साथ हो रहा दोहरा व्यवहार बंद करें –पुनीत

संवाददाता—श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश वित्त विहीन विद्यालय प्रबन्धक संघ की एक बैठक गिलौला स्थित सनबिम्स पब्लिक स्कूल चंद्रावा में की गई। बैठक में प्रबंधकों ने निजी स्कूलों के साथ शिक्षा विभाग के अधिकारियों की ओर से की जा रही उपेक्षा और अवैध धन उगाही को बंद करने की मांग की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्रावस्ती तिरुपति नाथ ओझा ने की। बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश संरक्षक पुनीत कुमार मिश्र ने कहा कि निजी स्कूलों के साथ शिक्षा विभाग के अधिकारी उपेक्षापूर्ण व्यवहार करते हैं और अवैध धन उगाही करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से निजी स्कूलों को आरटीई के तहत 12 माह की फीस भुगतान करने की योजना है। लेकिन केवल 11 माह की ही फीस दी जा रही है। इसके साथ ही अधिकारियों की शह पर जिले भर में बिना मान्यता के स्कूल चलाए जा रहे हैं। इसके साथ ही टीसी काउंटर साइन के नाम पर एबीएसए आफिस में अवैध तरीके से रुपयों की मांग की जाती है। बैठक में मां की गई कि आरटीई के तहत सभी स्कूलों को 12 माह की फीस का भुगतान किया जाय। इसके साथ ही बिना मान्यता के स्कूलों का संचालन पूरी तरह से बंद किया जाए। वहीं यू डायस पोर्टल पर छात्र अभिलेख संशोधान का विकल्प खोलने, टीसी काउंटर साइन के नाम पर एबीएसए कार्यालय में अवैध धन उगाही रोकने और मान्यता नवीनीकरण के नाम पर स्कूलों को फर्जी तरीके से परेशान न किया जाय। बैठक में जिला संरक्षक के रिक्त पद पर रामसूरत शुक्ला का सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। बैठक में जिला महासचिव संजय शर्मा, जिला उपाध्यक्ष धरणीधर विश्वकर्मा, ब्लाक अध्यक्ष गिलौला ऋषिराम मिश्र, ब्लाक अध्यक्ष इकौना यादवेंद्र नाथ शुक्ला, ब्लाक अध्यक्ष सिरसिया राकेश यादव, उपाध्यक्ष राजेश सिंह सहित दर्जनों की संख्या में प्रबन्धक मौजूद रहे।

बस्ती विकास प्राधिकरण

संख्या—1326 / ब०वि०प्रा०बस्ती /2024—25 दिनांक—28.09.2024

सार्वजनिक सूचना

श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री स्व० अजब लाल सिंह व श्रीमती अनीता सिह पत्नी निर्मल सिंह निवासी ग्राम—हवेली खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब, तहसील व जनपद बस्ती द्वारा गाटा संख्या—269 व गाटा संख्या—270 पर नर्सिंग होम की स्वीकृति हेतु मानचित्र जमा किया गया है, उक्त आराजी पुनरीक्षित बस्ती महायोजना—2031 (भाग—क) में बाजार स्ट्रीट/आवासीय है। श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री स्व० अजब लाल सिंह द्वारा उक्त भूमि में नर्सिंगहोम का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। बस्ती महायोजना—2031 की मैट्रिक्स के क्रम संख्या 5.22 के अनुसार बाजार स्ट्रीट/आवासीय भू—उपयोग में नर्सिंगहोम क्रिया शर्त संख्या—10 (न्यूनतम 18 मी० चौड़े मार्ग पर अधिकतम 50 शैय्याओं तक) के अनुसार अनुमन्य है। उक्त भूमि 24 मी० चौडे मार्ग पर स्थित है।

यदि उक्त भूमि पर नर्सिंगहोम के निर्माण हेतु मानचित्र स्वीकृति किए जाने में किसी को कोई आपत्ति अथवा कोई सुझाव तो एक माह के अंदर साक्ष्यों सहित अपनी आपत्ति /सुझाव अधोहस्ताक्षरी के समक्ष बस्ती विकास प्राधिकरण, बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। विज्ञप्ति प्रकाशन से एक माह की अवधि के उपरांत किसी भी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत आपत्ति / सुझाव पर कोई विचार नहीं किया जाएगा एवं नियमानुसार मानचित्र स्वीकृति के सबंध में अग्रिम कार्यवाही कर दी जाएगी।

सचिव

बस्ती विकास प्राधिकरण,
बस्ती।

सीएम योगी ने गोरखपुर में पेप्सिको प्लांट का किया उद्घाटन

बोले- नौकरी के साथ उद्यमिता पर देना होगा ध्यान

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुरक्षा के बेहतरीन माहौल में ही निवेश आता है। जब व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो उसकी पूंजी कैसे सुरक्षित रह पाएगी। पर, सुरक्षा के इस शानदार माहौल से, अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति से उन लोगों और उनके आकाओं परेशानी होती है, जिनके लिए अपराध ही पेशा था। जो अपराध करने को ही बड़प्पन मानते थे। सरकार कानून व्यवस्था को लेकर जीरो टॉलरेंस के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि इससे ही वर्तमान सुरक्षित रहेगा और बेहतर भविष्य के लिए वर्तमान का सुरक्षित रहना आवश्यक है। सीएम योगी रविवार को गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के समीप बन रहे औद्योगिक गलियारे में गीडा के सेक्टर 27 में बहुराष्ट्रीय कंपनी पेप्सिको की फ्रेंचाइजी मेसर्स वरुण बेवरेजेज के 1170 करोड़ रुपये के निवेश से लगी यूनिट (शीतल पेय बॉटलिंग एवं डेयरी उत्पाद संयंत्र) का औपचारिक उद्घाटन करने के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं का आह्वान किया है कि वे नौकरी की बजाय उद्यमिता पर अधिक ध्यान दें। रोजगार के लिए और अधिक अवसर पाने के लिए उद्यमिता सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। आधुनिक विकास की नई ऊंचाइयों को छूने वाले जिन देशों ने उद्यमिता, शोध और नवाचार पर ध्यान दिया है, वही देश आर्थिक परिदृश्य में केंद्र बिंदु में हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के रोजगार के लिए, जन आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए जो अवसर चाहिए उनमें निवेश सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। सुखद स्थिति है कि बीते सात साल में उत्तर प्रदेश निवेश का बेहतरीन गंतव्य बन चुका है। सीएम योगी ने कहा कि 2017 में जब पहली बार उनकी सरकार बनी तो उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को तलाशने के लिए टीम को लगाया गया। टीम ने रिपोर्ट दी कि प्रदेश में 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश आ सकता है। तत्समय 23 करोड़ की आबादी वाले राज्य में मात्र 20 हजार करोड़ के निवेश को लेकर बताया गया कि यूपी में निवेश कौन करेगा। सीएम योगी ने कहा कि उन्होंने इस सवाल को चुनौती के रूप में स्वीकार किया और संकल्प लिया कि उत्तर प्रदेश को ऐसा बनाएंगे, जहां देश और दुनिया के निवेशक निवेश करने आएंगे। इसके लिए जिस स्पीड में काम किया गया उसका परिणाम रहा कि फरवरी 2023 में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में यूपी को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। इनमें से 10 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों का पीएम मोदी की उपस्थिति में हुए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में शिलान्यास हो चुका है। जबकि 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरने के लिए पाइप लाइन में हैं।

सीएम ने कहा कि गीडा के शिलान्यास के बाद 1998 तक उद्योग लगने का नाम तक नहीं था। धरना प्रदर्शन, लाठी चार्ज, गोली चलने से कोई निवेश के लिए आना नहीं चाहता था। इन समस्याओं का समाधान किया गया, निवेशकों से संवाद बढ़ाया गया। परिणाम है कि बीते तीन–चार सालों में ही गीडा में 12 हजार करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि निवेश को धरातल पर उतारने के लिए लैंड बैंक, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का बेहतरीन होना जरूरी है। सरकार ने इन सब पर पूरा ध्यान दिया। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए डिजिटल प्लेटफार्म तैयार किए। निवेश मित्र पोर्टल जहां 450 से अधिक एमओसी के लिए सिंगल विंडो प्लेटफार्म है तो वहीं निवेश साथी से निवेश एमओयू की मॉनिटरिंग होती है और जब निवेश धरातल पर उतर जाता है तो निवेशकों को इंसेंटिव देने के लिए भी ऑनलाइन व्यवस्था है। साथ ही निवेशकों की समस्याओं के समाधान के लिए सीएम फेलो को भी लगाया गया है।

सीएम योगी ने कहा कि जब सुगमता से कार्यक्रम आगे बढ़ते हैं तो निवेश और रोजगार सृजन भी दिखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गीडा में आईजीएल, गैलेंट, अंकुर उद्योग, केयान डिस्टिलरी, ज्ञान डेयरी, तत्वा प्लास्टिक ने भी निवेश किया है। गीडा की तरफ से प्लास्टिक पार्क, फ्लैटेड फैक्ट्री और रेडीमेड गारमेंट पार्क का काम भी युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धुरियापार में सीबीजी प्लांट की स्थापना हो चुकी है। यहां पराली से एथेनाल बनाने के साथ ग्रीन एनर्जी की तरफ कदम बढ़ा दिया गया है। अब धुरियापार को बड़ा औद्योगिक क्षेत्र बनाने की कार्यवाही भी आगे बढ़ाई जा रही है। सीएम योगी ने कहा कि आज यूपी के पास एक्सप्रेसवे का संजाल है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से इस क्षेत्र की जनता और उद्यमियों को काफी सहूलियत होगी। सीएम योगी जी कहा कि वरुण बेवरेजेज ने बेहतरीन डेयरी प्रोडक्ट बना रहे हैं। अभी स्थानीय स्तर पर पर्याप्त दूध न मिल पाने से प्लांट के लिए दूध बाहर से मंगाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस दिक्कत को देखते हुए सरकार ने बुंदेलखंड की बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर की तर्ज पर महिलाओं का समूह बनाने के लिए 20 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है।

इसे तत्काल आगे बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि वरुण बेवरेजेज को दूध गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडल के जिलों से ही मिलने लगे। इससे किसानों की आय कई गुना बढ़ेगी और पशुधन भी बचेगा। उन्होंने वरुण बेवरेजेज प्रबंधन से कहा कि वे प्रगतिशील किसानों को प्लांट का विजिट कराएं। इस अवसर पर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नन्दीश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में चौतरफा विकास का कारवां आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो कहा, वो कर दिखाया और जो किया वह पूरे देश में मॉडल बनकर उभरा। कहा कि 2017 के पहले के यूपी, पूर्वांचल और गोरखपुर की तुलना आज के दौर से करने और जमीन आसमान का अंतर नजर आएगा। पहले की सरकारें जहां अपना, अपने परिवार, रिश्तेदार और फिर अपनी जाति तक सीमित थीं तो वहीं सीएम योगी ने बिना भेदभाव समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाई है। सीएम योगी के नेतृत्व में सिर्फ प्रदेश ही नहीं बदला है बल्कि परिवेश भी बदला है। आज का उत्तर प्रदेश सशक्त, समृद्ध और गतिशील प्रदेश है। उन्होंने कहा कि 2017 के पूर्व उत्तर प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र का बुनियादी ढांचा व्हीलचेयर पर था और आज सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी औद्योगिक प्रगति के मामले में फर्राटा भर रहा है। स्वागत संबोधन में मेसर्स वरुण बेवरेजेज के चेयरमैन रविकांत जयपुरिया ने कहा कि वरुण बेवरेजेज, पेप्सिको के ब्रांड के विश्व के सबसे बड़े मैन्युफैक्चरर्स में से एक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन और सहयोग से गोरखपुर में वरुण बेवरेजेज की यूनिट बहुत कम समय में तैयार हो गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में यूपी काफी आगे है। सरकार की इंडस्ट्री फ्रेंडली नीतियों से उत्तर प्रदेश में तीव्र औद्योगिक विकास हो रहा है। बताया कि सरकार के प्रोत्साहन से वरुण बेवरेजेज प्रयागराज में भी बॉटलिंग प्लांट लगाने का काम शुरू कर चुका है। 2025 के शुरुआत में वहां भी प्लांट के लोकार्पण की तैयारी है। उन्होंने बताया कि वरुण बेवरेजेज को प्लास्टिक रिसाइक्लिंग प्लांट लगाने के लिए भी सरकार फर्रुखाबाद में भूमि आवंटन कर चुकी है। श्री जयपुरिया ने बताया कि गीडा यूनिट में सॉफ्ट ड्रिंक्स के साथ ही अब डेयरी उत्पादों का उत्पादन शुरू हो गया है। यह प्लांट गोरखपुर के किसानों से दूध खरीदकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश करेगा। उन्होंने सीएसआर फंड से जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में आरुह हेल्थ क्लिनिक की पहल किए जाने और गोरखपुर में भी ऐसी एक क्लिनिक के संचालन की जानकारी भी दी।

वरुण बेवरेजेज के अधिशासी निदेशक कमलेश जैन ने कहा कि गोरक्षभूमि पर पेप्सी प्लांट का उद्घाटन वरुण बेवरेजेज के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि सुदृढ़ लॉ एंड ऑर्डर और यूपी सरकार के प्रोत्साहन से वरुण बेवरेजेज की गीडा यूनिट महज एक साल में उत्पादनरत हो गई है। यह प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने बताया कि ग्रुप का टर्नओवर 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक है और ग्रुप में कुल मिलाकर 40 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। वरुण बेवरेजेज के आठ प्लांट अकेले उत्तर प्रदेश में हैं। गोरखपुर की यूनिट में 1500 को रोजगार मिला है जबकि दस हजार किसानों–पशुपालकों को दूध बेचकर आय बढ़ाने का मौका मिलेगा।

शिक्षा और अध्यात्म का समावेश करके ही पाई जा सकती है अराजकता से मुक्ति –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मेवालाल गुप्त गुरुकुल विद्यालय में नवनिर्मित सभागार, पांच कक्षों और प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने गुरुकुल के पुनरुद्धार के लिए गोरखपुर गुरुकुल सोसाइटी के पदाधिकारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने एक करोड़ पांच लाख रुपये के सीएसआर फंड से यह निर्माण कार्य समय पर पूरा किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुकुलों में यज्ञ और हवन की पुरानी आर्य समाज की पद्धति का अनुसरण होना चाहिए। उन्होंने बताया कि जब तक गुरुकुलों में यह परंपरा जीवित रही, तब तक वहां का वातावरण आध्यात्मिक और अनुशासनपूर्ण था, जिससे पठन–पाठन के बेहतरीन परिणाम सामने आते थे। योगी आदित्यनाथ ने जोर दिया कि आज के समय में शिक्षा और अध्यात्म का समावेश करके ही अराजकता से मुक्ति पाई जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने गुरुकुल विद्यालय को शिक्षा के साथ–साथ स्किल डेवलपमेंट और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कोई भी वंचित बच्चा शिक्षा से वंचित न रह पाए। हर बच्चा भविष्य के लिए आत्मनिर्भर बने। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे इन प्रयासों से भारत को विकसित भारत बनाने में मदद मिलेगी। गोरखपुर गुरुकुल विद्यालय की स्थापना 1935 में हुई थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस गुरुकुल में आध्यात्मिक और राजनीतिक गतिविधियों के कारण ब्रिटिश सरकार ने इसे 5 साल तक बंद कर दिया था। इसके बाद यह विद्यालय फिर से सक्रिय हुआ। आज यह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के रूप में संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि समय के साथ संसाधनों की कमी के कारण विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या घटने लगी, लेकिन अब नए निर्माण और संसाधनों से इसे फिर से प्रतिष्ठित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार हर बच्चे को उत्तम शिक्षा और हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पीएम मोदी की राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति छात्रों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है। इसे आधुनिक जरूरतों के अनुरूप तैयार किया गया है। वहीं स्वास्थ्य के दृष्टि से आयुष्मान कार्ड योजना के तहत 10 करोड़ लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की जा रही है।

इससे पहले सीएम योगी ने गुरुकुल विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं में जाकर पठन–पाठन की गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से मुलाकात भी की और गुरुकुल प्रांगण में पौधरोपण किया। कार्यक्रम की शुरुआत में छात्राओं ने आकर्षक प्रस्तुति के साथ गणेश वंदना की। इस दौरान सांसद रवि किशन शुक्ल, मेयर मंगलेश श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, गुरुकुल सोसाइटी के अध्यक्ष प्रमोद कुमार, कालीबाड़ी के महंत रविंद्र दास, यूपी राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

नाले मे डूबने से किशोर की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जोगिया कोतवाली क्षेत्र के बकुआव गांव का एक किशोर रविवार की सुबह नाले में डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। वह शौच करने गया था, जहां उसका पांव फिसल गया था। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। परिवार में कोहराम मच गया है। बकुआव गांव निवासी श्रेयांश यादव (12) पुत्र सुनील कुमार यादव रविवार की सुबह पास से बहे नाला पर शौच करने गया था। इस समय नाला उफान पर है। इस दौरान उसका पैर फिसल गया और नाला में डूब गया। आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया। कुछ लोग नहर में भी उतर गए और उसकी तलाश में जुट गए। जब तक उसे बाहर निकाला जाता उसके सांसों की डोर टूट चुकी थी। मौके पर मौजूद परिजन शव मिलते ही गश खाकर गिरने लगे। सभी का रोना बिलखना शुरू हो गया। सूचना पर तहसीलदार बांसी अमित सिंह भी राजस्व कर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गए थे। जोगिया कोतवाल मनोज कुमार श्रीवास्तव भी मय फोर्स मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। तहसीलदार ने कहा कि जो भी अहेतुक सहायता होती है, उसे दिया जाएगा।

अकोलवा, ताड़ीखाना और हनुमान मंदिर मार्ग पर जलभराव

संवाददाता–गोरखपुर। नगर निगम के सर्वाधिक क्षेत्रों में शनिवार की रात तक जलनिकासी हो गई लेकिन कुछ क्षेत्रों में रविवार को भी बारिश का पानी भरा रहा। हालांकि नगर निगम की ओर से यहां जलभराव को पम्प कर दूसरी नालियों में डाला जा रहा था। जलभराव के कारण लोगों को असुविधा भी हो रही थी। जंगल तुलसीराम वार्ड संख्या 22 में रविवार को भी कई क्षेत्रों में बारिश का पानी भरा रहा। हालांकि पम्पिंग सेट लगा कर पानी पम्प भी किया जा रहा था लेकिन ताड़ीखाना से अकोलवा मार्ग पर पानी रविवार की सुबह 10.30 बजे भी ओवरफ्लो कर रहा था। गोर्रा नाला के पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से दिक्कत हो रही थी। दूसरी ओर ताड़ीखाना से हनुमान मंदिर जाने वाली सड़क रविवार को भी पानी लगा हुआ था। अकोलवा से बघेल मैरेज हाल जाने वाली सड़क पर भी बारिश का पानी भरा था। हालांकि नगर निगम जलनिकासी की समस्या के समाधान के लिए पोकलेन की मदद से अकोलवा पोखरा से जलकुम्भी निकाल रही थी। जलभराव के कारण आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों का आवागमन बाधित था।

दूसरी ओर वार्ड संख्या 09 नकहा नम्बर एक के गायत्रीपुरम कॉलोनी की मुख्य गली में ही जलभराव रविवार को भी बना रहा। हालांकि नगर निगम की ओर से यहां पम्प लगाया गया था लेकिन तेल खत्म हो जाने से बंद पड़ा है। स्थानीय लोगों की शिकायत थी कि सफाई निरीक्षक से शिकायत के बाद भी पम्पिंग सेट नहीं चलाया गया। लिहाजा रविवार को जब महानगर के अधिकांश हिस्सों में बारिश का पानी निकल चुका है, गायत्रीपुरम कॉलोनी के लोग जलभराव से जूझने के लिए अभिशप्त हैं। सिक्सलेन के निर्माणाधीन नाला से गोपलापुर पूर्वी दाऊदपुर में शनिवार को बारिश का काफी पानी निकल गया था लेकिन रविवार की सुबह भी सड़क पर जलभराव था। सफाई निरीक्षण सुनील मणि त्रिपाठी के निर्देशन में रात में भी दोनों पम्पिंग सेट संचालित किए गए। रविवार की सुबह जेसीबी की मदद से सिक्सलेन पर निर्माणाधीन नाला की सफाई कर जलनिकासी को सुगम कराया गया। रविवार की दोपहर दोनों पम्पिंग सेट संचालित किए गए। यहां निरीक्षण के लिए अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र भी अभियंताओं समेत पहुंचे। आसपास के लोगों से जलनिकासी को लेकर फीडबैक भी लिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत बेलहसा विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाक: 30.09.2024 से 05.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 07.10.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-शिवशंकर चौधरी
ग्राम पंचायत-बेलहसा
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.-सिराज अहमद
ग्राम पंचायत-बेलहसा
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /28.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत रूद्रपुर विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाक: 30.09.2024 से 05.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 07.10.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-सुशीला
ग्राम पंचायत-रूद्रपुर
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.-शिवशंकर यादव
ग्राम पंचायत-रूद्रपुर
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /28.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत पकड़ी चौबे विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाक: 30.09.2024 से 05.10.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 07.10.2024 सायं 1:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-दुर्गावती
ग्राम पंचायत-पकड़ी चौबे
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.-विनोद कुमार यादव
ग्राम पंचायत-पकड़ी चौबे
विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /28.09.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जाए -मुख्यमंत्री

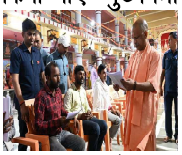

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की। ध्यानपूर्वक उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जाए, इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता अक्षम्य होगी। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान उन्होंने सभी पात्रों को आयुष्मान योजना से आच्छादित करने के भी निर्देश अफसरों को दिए। जनता दर्शन में आए राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। हर बार की तरह उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। इसके बाद मंदिर परिसर का भ्रमण करने निकले। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री की नजर परिजनों के साथ मंदिर में दर्शन पूजन करने आए बच्चों पर पड़ी। मुस्कुराते हुए उन्होंने बच्चों को अपने पास बुला लिया और बातचीत करने लगे।। बच्चों से उनका नाम पूछा, कहां से आए हैं, इसकी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों से खूब हंसी ठिठोली भी की। स्नेहाशीष देने के साथ सबको चॉकलेट गिफ्ट की।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com